न्यायालय सहायक कलक्टर एवं उपखण्डाधिकारी (राजस्व) नोहर

पीठासीन अधिकारी का नाम : सुश्री श्वेता कोचर (आर0ए0एस0)

वाद सं0 : 666 सन 2020

अनवान :–

1. धर्मपालगर पुत्र प्रेमगर जाति गुसाई साकिन देवासर तहसील नोहर जिला हनुमानगढ।

वादी

बनाम

1. प्रेमगर पुत्र इन्द्रगर जाति गुसाई निवासी देवासर तहसील नोहर।
2. अमरगर पुत्र प्रेमगर जाति गुसाई निवासी देवासर तहसील नोहर।
3. राजुगर पुत्र अमरगर जाति गुसाई निवासी देवासर तहसील नोहर।
4. जयपालगर पुत्र अमरगर जाति गुसाई निवासी देवासर तहसील नोहर।
5. कविता पुत्री अमरगर जाति गुसाई निवासी देवासर तहसील नोहर।
6. पूर्णगर पुत्र भादरराम जाति गुसाई निवासी देवासर तहसील नोहर।
7. छत्रपाल पुत्र भादरराम जाति गुसाई निवासी देवासर तहसील नोहर।
8. राधा पुत्री भादरगर जाति गुसाई निवासी देवासर तहसील नोहर।
9. दीपा पुत्री भादरगर जाति गुसाई निवासी देवासर तहसील नोहर।
10. लालचन्द पुत्र प्रेमगर जाति गुसाई निवासी देवासर तहसील नोहर।
11. गोंपीगर पुत्र लालचन्द जाति गुसाई निवासी देवासर तहसील नोहर।
12. कमलेश पुत्री लालचन्द जाति गुसाई निवासी देवासर तहसील नोहर।
13. सुनील पुत्र धर्मपालगर जाति गुसाई निवासी देवासर तहसील नोहर।
14. सहदेव पुत्र धर्मपालगर जाति गुसाई निवासी देवासर तहसील नोहर।
15. मीरा पुत्री धर्मपालगर जाति गुसाई निवासी देवासर तहसील नोहर।
16. प्रार्वती पुत्री धर्मपालगर जाति गुसाई निवासी देवासर तहसील नोहर।
17. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार राजस्व नोहर जिला हनुमानगढ।

प्रतिवादीगण

राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 88

उपस्थित : श्री नरेन्द्र किशोर जोशी अधिवक्ता वादी

पेरोकार राज

निर्णय दिनांक :– 04/11/2020

सक्षेप में तथ्य इस प्रकार से है कि वादी ने जरिये अधिवक्ता यह वाद अन्तर्गत राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 88 के तहत इस आश्य का पेश किया गया की रोही मौजा देवासर के खाता संख्या 146/134 की कुल 15.4530हैक व खाता संख्या 147/135 की कुल 1.6690 , व खाता संख्या 145/133 की कुल 3.4650हैक भूमि वर्तमान राजस्व रिकार्ड में वादी के दादा प्रतिवादी संख्या 1 के नाम सें दर्ज है।

उक्त भूमि पूर्व में वादी के दादा इन्द्रगर पुत्र आसगर के नाम से राजस्व रिकार्ड में दर्ज थी वादी के दादा इन्द्रगर पुत्र आसगर के देहान्त होने पर वाद विरास्तन से वाद भूमि उनके पुत्र प्रतिवादी संख्या 1 के नाम से दर्ज हुई।

वाद भूमि जो प्रतिवादी संख्या 1 जो वादी के पिता है के नाम से दर्ज है वादी के दादा इन्द्रगर पुत्र आसगर के देहान्त होने के बाद विरास्तन से राजस्व रिकार्ड में दर्ज हुई है जिसके कारण पैतृक सम्पति है जिसमें वादी एवं प्रतिवादी संख्या 2 ता 16 का प्रतिवादी संख्या 1 के साथ बराबर का हक हिस्सा है।

प्रतिवादी संख्या 5 ,8 ,9, 12 ,15 ,16 वादी की बहने है एवं प्रतिवादी सांख्या 1 की पुत्री व पुत्र की पुत्रीया है प्रतिवादी संख्या 5 ,8 ,9 ,12 ,15 ,16 की शादी हो चुकी है प्रतिवादी संख्या 1 जो वादी का दादा है काफी वृद्व हो चुका है एवं प्रतिवादी संख्या 1, 5 ,8 ,9, 12 ,15 ,16 ने अपने हक हिस्सा की भूमि का त्याग वादी एवं प्रतिवादी संख्या 2 ता 4 ,6 ,7 ,10 ,11 ,13 ,14 के पक्ष में किया जा चुका है। इसलिये वाद भूमि वादी एवं प्रतिवादी संख्या 2 ता 4 ,6 ,7 ,10 ,11 ,13 ,14का बराबर का हक हिस्सा है जिसे राजस्व रिकार्ड में दर्ज करवा पाने के अधिकारी है।

उपखण्ड अधिकारी
नोहर

Scanned with CamScanner

वादी ने प्रतिवादी संख्या 1 को कई मर्तबा कहा की वादी के हक हिस्सा की भूमि को उनके नाम से राजस्व रिकार्ड में दर्ज करवा देवे तो कुछ दिनों तक तो आज कल आज कल करते रहे किन्तु अन्त में इन्कार हो गये इसलिये यह वाद पेश किया गया है।

अतः वादी का वाद डिक्री किया जाकर घोषणा की जावे की प्रतिवादी संख्या 1 जो वादी का पिता है के नाम से दर्ज भूमि को वादी एवं प्रतिवादी संख्या 2 ता 4 ,6 ,7 ,10 ,11 ,13 ,14 बहिब के खातेदार काश्तकार राजस्व रिकार्ड में दर्ज करवा पाने के अधिकारी है। वादी का वाद डिक्री फरमाया जावे।

वादी का वाद प्रस्तुत होने पर दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादीगण को जरिये सम्मन तलब किया गया प्रतिवादी संख्या 1 ता 16 जरिये अधिवक्ता न्यायालय में उपस्थित आकर वादी के वाद को स्वीकार करते हुए ईकबाल दावा पेश किया जाकर प्रतिवादी संख्या 1 ने निवेदन किया की उसके नाम से दर्ज भूमि उसके पिता इन्द्रगर पुत्र आसगर के देहान्त होने पर विरास्तन से प्राप्त हुई है जिसमें वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 ता 16 का बराबर का हक हिस्सा है तथा प्रतिवादी संख्या 1, 5, 6, 12 ,15 ,16 ने निवेदन किया की उन्होने अपने हक हिस्सा की भूमि को अपने भाई/पिता वादी एवं प्रतिवादी संख्या 2 ता 4 ,6 ,7 ,10 ,11 ,13 ,14 के पक्ष में त्याग किया हुआ है इसलिये वाद भूमि वादी एवं प्रतिवादी संख्या 2 ता 4 ,6 ,7 ,10 ,11 ,13 ,14 के हक हिस्सा की भूमि है जिसे वादी एवं प्रतिवादी संख्या 2 ता 4 ,6 ,7 ,10 ,11 ,13 ,14 के नाम से राजस्व रिकार्ड में दर्ज की जाती है तो किसी प्रकार का ऐतराज नही है व अपने कथनों के समर्थन में ईकवाला दावा पेश किया गया। शामिल मिसल किया एवं प्रतिवादी संख्या 17 पेरोकार राज ने जबाब पेश किया की वादी के द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य सबुतों के आधार पर राज्य हकों को सुरक्षित रखते हुए निस्तारण किया जाता है तो कोई ऐतराज नही है जवाब शामिल मिसल किया गया।

प्रकरण में प्रतिवादीगण का ईकबाल प्रस्तुत होने के कारण तनकी की आवश्यकता नही रही साक्ष्य में वादी ने अपना शपथ पत्र पेश किया जिस पर प्रतिवादीगण के द्वारा जिरह नही करने के कारण जिरह शुन्य रही तत्पष्चात उभयपक्षों की बहस सुनी गई।

वकील वादी के अधिवक्ता ने अपनी बहस में अपने वाद में अंकित तथ्यों को दोहराते हुए निवेदन किया की रोही मौजा देवासर के खाता संख्या 146/134 की कुल 15.4530हैक व खाता संख्या 147/135 की कुल 1.6690 , व खाता संख्या 145/133 की कुल 3.4650हैक भूमि वर्तमान राजस्व रिकार्ड में वादी के पिता प्रतिवादी संख्या 1 के नाम सें दर्ज है।

उक्त भूमि पूर्व में वादी के दादा प्रेमगर पुत्र इन्द्रगर के नाम से राजस्व रिकार्ड में दर्ज थी वादी के दादा प्रेमगर पुत्र इन्द्रगर के देहान्त होने पर वाद विरास्तन से वाद भूमि उनके पुत्र प्रतिवादी संख्या 1 के नाम से दर्ज हुई।

वाद भूमि जो प्रतिवादी संख्या 1 जो वादी के पिता है के नाम से दर्ज है वादी के दादा प्रेमगर पुत्र इन्द्रगर के देहान्त होने के बाद विरास्तन से राजस्व रिकार्ड में दर्ज हुई है जिसके कारण पैतृक सम्पति है जिसमें वादी एवं प्रतिवादी संख्या 2 ता 16 का प्रतिवादी संख्या 1 के साथ बराबर का हक हिस्सा है।

प्रतिवादी संख्या 5 ,8 ,9, 12 ,15 ,16 वादी की बहने है एवं प्रतिवादी संख्या 1 की पुत्री व पुत्र की पुत्रीया है प्रतिवादी संख्या 5 ,8 ,9 ,12 ,15 ,16 की शादी हो चुकी है प्रतिवादी संख्या 1 जो वादी का दादा है काफी वृद्व हो चुका है एवं प्रतिवादी संख्या 1, 5 ,8 ,9, 12 ,15 ,16 ने अपने हक हिस्सा की भूमि का त्याग वादी एवं प्रतिवादी संख्या 2 ता 4 ,6 ,7 ,10 ,11 ,13 ,14 के पक्ष में किया जा चुका है। इसलिये वाद भूमि वादी एवं प्रतिवादी संख्या 2 ता 4 ,6 ,7 ,10 ,11 ,13 ,14का बराबर का हक हिस्सा है जिसे राजस्व रिकार्ड में दर्ज करवा पाने के अधिकारी है।

वादी के वाद को प्रतिवादी संख्या 1 ता 16 ने स्वीकार किया जाकर ईकबाल पेश किया जा चुका है अर्थात वादी के वाद के सम्बध में कोई ऐतराज नही है वादी अपने कथनों के सम्बध में न्यायायिक दृष्टान्त आर.बी.जे. 1998 पेज 615 एवं आरआरडी वर्ष 1998 पेज 646 प्रस्तुत कर निवेदन किया की कोई भी खातेदार काश्तकार आपसी सहमति /राजीनामा

उपखण्ड अधिकारी
नोहर

Scanned with CamScanner

के आधार पर अपने हकों को स्थानान्तरण कर सकता है अतः वादी का वाद डिक्री फरमाया जावे।

पेरोकार राज ने निवेदन किया की वादी ने दादालाई/पैतृक सम्पति का वाद पेश किया है वादी के साक्ष्य सबुतों के आधार पर राज्यहकों को सुरक्षित रखते हुए वाद का निस्तारण फरमावे।

हमने उभयपक्षो की बहस सुनी पत्रावली का अवलोकन किया प्रस्तुत रिकार्ड के अनुसार रोही मौजा देवासर के खाता संख्या 146/134 की कुल 15.4530हैक व खाता संख्या 147/135 की कुल 1.6690 , व खाता संख्या 145/133 की कुल 3.4650हैक भूमि वर्तमान राजस्व रिकार्ड में वादी के पिता प्रतिवादी संख्या 1 के नाम से दर्ज है।

प्रस्तुत रिकार्ड के अनुसार वाद भूमि इन्द्रगर पुत्र आसगर के नाम से दर्ज थी अर्थात वाद भूमि पूर्व में वादी के पड़दादा इन्द्रगर पुत्र आसगर के नाम से दर्ज है वादी के दादा इन्द्रगर पुत्र आसगर के देहान्त होने के वाद विरासतन से वाद भूमि वादी के पिता प्रतिवादी संख्या 1 के नाम से राजस्व रिकार्ड में दर्ज हुई है विरासतन से भूमि वादी के पिता के नाम से दर्ज होने के कारण पैतृक सम्पति होना साबित है। हिन्दु उतराधिकार अधिनियम की धारा 6 ,8 के अनुसार पैतृक सम्पति में वादी का हक हिस्सा है अर्थात दादा की सम्पति में पौते/पौतियों को वराबर का हक हिस्सा होगा। अर्थात वाद भूमि में वादी व प्रतिवादी संख्या 1 ता 16 के हक हिस्सा की भूमि है

वादी का कथन है कि प्रतिवादी संख्या 5 ,8 ,9 ,12 ,15 ,16 ने अपने हक हिस्सा की भूमि का त्याग किया हुआ है वादी के कथनों को प्रतिवादी संख्या 5, 8 ,9 ,12 ,15 ,16 ने स्वीकार किया जाकर इकवाल पेश किया जाकर निवेदन किया जा चुका है कि वाद भूमि वादी एवं प्रतिवादी संख्या 2 ता 6, 6 ,7 ,10 ,11 ,13 ,14 के हक हिस्सा की भूमि है जिसे उनके नाम से राजस्व रिकार्ड में दर्ज की जाती है तो किसी प्रकार का ऐतराज नही है

वादी के वाद को प्रतिवादीगण के द्वारा स्वीकार करने एवं वादी के द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य सबुत एवं न्यायायिक दृष्टान्तों जो प्रकरण पर चस्पा होते है के आधार पर वाद वादी साबित होने के कारण काबिल डिक्री है तथा प्रतिवादी संख्या 5, 8, 9, 12, 15, 16 ने अपने हकों का त्याग किये जाने के कारण राज्यहकों की सुरक्षा के मध्यनजर स्टाम्प ड्यूटी कायम की जानी न्यायोचित है।

अतः वादी के वादी को प्रतिवादी संख्या 1 ता 16 के द्वारा वादी के वाद को स्वीकार करने एवं पेरोकार राज का किसी प्रकार का ऐजराज नही होने एवं वादी के द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य सबुतो एवं न्यायायिक दृष्टान्तों के आधार पर वाद वादी साबित होने के कारण डिक्री किया जाकर धोषणा की जाती है कि रोही मौजा देवासर के खाता संख्या 146/134 की कुल 15.4530हैक व खाता संख्या 147/135 की कुल 1.6690 , व खाता संख्या 145/133 की कुल 3.4650हैक तीनों खातो में भूमि प्रतिवादी संख्या 1 के नाम सें दर्ज हक हिस्से में वादी व प्रतिवादी संख्या 13 ,14 वहिव 1/4 हिस्सा , प्रतिवादी संख्या 2 ता 4 बहिव 1/4 हिस्सा ख प्रतिवादी संख्या 6 ,7 बहिव 1/4 हिस्सा व प्रतिवादी संख्या 10 ,11 बहिव 1/4 हिस्सा के खातेदार काश्तकार धोषित किया जाता है इसी अनुसार राजस्व रिकार्ड में अंकन करने हेतु ईजराय प्रार्थना पत्र के सलग्न 5000/– रू का स्टाम्प तकमीलन शामिल किया जावे। यदि भूमि बैक के रहन हो तो वाद रहनमुक्त राजस्व रिकार्ड में अंकन किया जावे व्यय वाद उभयपक्ष अपना अपना वहन करेगे। इसी आश्य की पर्चा डिक्री जारी की जाकर शामिल मिसल की गई पत्रावली नम्बर से कम की जाकर बाद तरतीब तकमील जाब्ता दाखिल दफ्तर हो ।

निर्णय आज दिनांक 04/11/2020 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर बसरे ईजलास में सुनाया गया ।

उपखण्ड अधिकारी (राजस्व)
नोहर (हनुमानगढ़)

उपखण्ड अधिकारी
नोहर

Scanned with CamScanner

पर्चा डिक्री

(आर्डर 20, रूल 6-7 जाब्ता दिवानी)

न्यायालय सहायक कलक्टर एवं उपखण्ड अधिकारी नोहर

अनवान :-

1. धर्मपालगर पुत्र प्रेमगर जाति गुसाई साकिन देवासर तहसील नोहर जिला हनुमानगढ।

वादी

बनाम

1 प्रेमगर पुत्र इन्द्रगर जाति गुसाई निवासी देवासर तहसील नोहर।
2. अमरगर पुत्र प्रेमगर जाति गुसाई निवासी देवासर तहसील नोहर।
3. राजुगर पुत्र अमरगर जाति गुसाई निवासी देवासर तहसील नोहर।
4. जयपालगर पुत्र अमरगर जाति गुसाई निवासी देवासर तहसील नोहर।
5. कविता पुत्री अमरगर जाति गुसाई निवासी देवासर तहसील नोहर।
6. पूर्णगर पुत्र भादरराम जाति गुसाई निवासी देवासर तहसील नोहर।
7. छत्रपाल पुत्र भादरराम जाति गुसाई निवासी देवासर तहसील नोहर।
8. राधा पुत्री भादरगर जाति गुसाई निवासी देवासर तहसील नोहर।
9. दीपा पुत्री भादरगर जाति गुसाई निवासी देवासर तहसील नोहर।
10. लालचन्द पुत्र प्रेमगर जाति गुसाई निवासी देवासर तहसील नोहर।
11. गोपीगर पुत्र लालचन्द जाति गुसाई निवासी देवासर तहसील नोहर।
12. कमलेश पुत्री लालचन्द जाति गुसाई निवासी देवासर तहसील नोहर।
13. सुनील पुत्र धर्मपालगर जाति गुसाई निवासी देवासर तहसील नोहर।
14. सहदेव पुत्र धर्मपालगर जाति गुसाई निवासी देवासर तहसील नोहर।
15. मीरा पुत्री धर्मपालगर जाति गुसाई निवासी देवासर तहसील नोहर।
16. प्रार्वती पुत्री धर्मपालगर जाति गुसाई निवासी देवासर तहसील नोहर।
17. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार राजस्व नोहर जिला हनुमानगढ।

प्रतिवादीगण

वाद अन्तर्गत धारा 88, राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955
राजस्व वाद संख्या 666 सन 2020 निर्णय दिनांक– 04/11/2020

आज यह वाद मुझ श्वेता कोचर उपखण्ड अधिकारी (राजस्व) नोहर के समक्ष अधिवक्ता वादी एवं पेरोकार राज की उपस्थिति में अंतिम निपटारे/ निर्णय हेतु प्रस्तुत होने पर वाद वादी साक्ष्य सबुतो एवं प्रतिवादीगण की सहमति के आधार पर सावित होने के कारण वाद वादी डिक्री किया जाकर धोषणा की जाती है कि रोही मौजा देवासर के खाता संख्या 146/134 की कुल 15.4530हैक व खाता संख्या 147/135 की कुल 1.6690 , व खाता संख्या 145/133 की कुल 3.4650हैक तीनों खातो में भूमि प्रतिवादी संख्या 1 के नाम सें दर्ज हक हिस्से में वादी व प्रतिवादी संख्या 13 ,14 बहिव 1/4 हिस्सा , प्रतिवादी संख्या 2 ता 4 बहिव 1/4 हिस्सा ख प्रतिवादी संख्या 6 ,7 बहिव 1/4 हिस्सा व प्रतिवादी संख्या 10 ,11 बहिव 1/4 हिस्सा के खातेदार काश्तकार धोषित किया जाता है इसी अनुसार राजस्व रिकार्ड में अंकन करने हेतु ईजराय प्रार्थना पत्र के सलग्न 5000/– रू का स्टाम्प तकमीलन शामिल किया जावे। यदि भूमि बैक के रहन हो तो बाद रहनमुक्त राजस्व रिकार्ड में अंकन किया जावे व्यय वाद उभयपक्ष अपना अपना वहन करेगे।

पर्चा डिक्री आज दिनांक 04/11/2020 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालय मुद्रा से जारी की गई ।

उपखण्ड अधिकारी (राजस्व)
नोहर (हनुमानगढ)

उपखण्ड अधिकारी
नोहर

Scanned with CamScanner